आगामी पांच वर्षों में डीजल और पेट्रोल बसों का स्थान ले लेंगी बैटरी से चलने वाली बसें : परमेश्वर

बेंगलूरु/दक्षिण भारत

उप मुख्यमंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने विश्वास जताया है कि निकट भविष्य में बैटरी से चलने वाली बसें पूरी तरह से डीजल और पेट्रोल से चलने वाली बसों का स्थान ले लेंगी। यह अगले पांच वर्षों में ही देखने को मिलेगा। वह बुधवार से यहां शुरू हुई आठवें तीन दिवसीय बस वर्ल्ड प्रदर्शनी का उद्घाटन करने के बाद एक समारोह को संबोधित कर रहे थे। परमेश्वर ने कहा कि पिछले दो दशकों के दौरान ऐरोस्पेस, सूचना तकनीक और जैव प्रौद्योगिकी के साथ ही औद्योगिक तथा वैज्ञानिक गतिविधियों के मामले में बेंगलूरु शहर पूरे देश का केंद्र बिंदु बन चुका है। इस शहर की सड़कों पर हर दिन 70 लाख वाहन यातायात करते हैं। इनके साथ ही बेंगलूरु महानगर परिवहन निगम (बीएमटीसी) की 6 हजार बसें भी यात्रियों की सेवा करती हैं। वहीं, शहर में सड़कों का जाल पूरी तरह से संगठित नहीं है और सड़क यातायात शहर की प्रमुख समस्याओं में से एक बन चुकी है। यहां की सड़कों पर चलने वाले वाहनों में से अधिकांशत: ऐसे हैं जो डीजल से चलते हैं। इससे बेहद बड़े पैमाने पर शहर में धुएं का प्रदूषण फैलता है। इस समस्या से निपटने के लिए बैटरी से संचालित बसें ही एकमात्र समाधान हैं। इस प्रदर्शनी में भारत के साथ ही चीन, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया और बेल्जियम के प्रतिनिधिमंडल भी हिस्सा ले रहे हैं। यह सदस्य इस प्रदर्शनी में विभिन्न बैटरी चालित वाहन निर्माता कंपनियों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। इनके स्टॉल्स में इनके उत्पादों को भी प्रदर्शित किया गया है।